पंचायत राज्य मंत्री ने सपोटरा में ध्वस्त मन्दिर का जायजा लिया

दुर्घटना में मृतक परिवार के प्रति एवं घायलों के प्रति संवेदना व्यक्त की

पंचायत राज मंत्री रमेश मीणा ने शिव मंदिर की दीवार गिरने की घटना स्थल का जायजा लिया।

- लापरवाही की जांच करने के संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए

सपोटरा/करौली, (निसं)। पंचायत राज्य मंत्री रमेश मीणा ने सपोटरा में गत दिन शिव मंदिर की दीवार गिरने की घटना का जायजा लिया और कन्हैया दंगल कार्यक्रम में एकट और सूरतपुरा गांव में शिरकत की।

क्षेत्रीय विधायक एवं पंचायत राज्य मंत्री रमेश मीणा शनिवार को अपने विधानसभा क्षेत्र सपोटरा पहुंचे। जहां उन्होंने जेसीबी मशीन से नाला निर्माण के दौरान कस्बे में शिव मंदिर की दीवार गिरने की दुःखद घटना का जायजा लिया और दुर्घटना में मृतक परिवार के प्रति एवं घायलों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। साथ ही दुर्घटना में दोषी अधिकारी, कर्मचारी या संवेदक की लापरवाही की जांच कर करने के संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

इस दौरान उन्होंने गांव एकट और सूरतपुरा में कन्हैया दंगल धार्मिक कार्यक्रम में शिरकत की। इस मौके पर गांव एकट एवं सुरतपुरा के ग्रामवासी एवं पंच पटेलों ने माला साफा पहनाकर मंत्री का भव्य स्वागत किया। इस मौके पर मंत्री ने कहा कि धार्मिक आयोजनों से धर्म के प्रति लोगों में आस्था का प्रचार होता है एवं संस्कृति के प्रति जागरूकता आती है। ऐसे आयोजनों से भाईचारा बढ़ता है। कार्यक्रम के दौरान मंत्री को ग्रामीणों एवं किसानों ने बिजली कटौती की समस्या से अवगत कराया। इस मौके पर मंत्री ने विद्युत विभाग के अधिकारियों से बात की और साथ ही कहा कि अगर किसानों को समय पर संपूर्ण बिजली नहीं मिलेगी तो इस संबंध में मुख्यमंत्री से वार्ता करेंगे। सुरतपुरा एवं एकट दोनों गांव में 15 -15 लाख रुपये के विकास कार्यों की घोषणा की।

बाड़मेर के सांवलाराम बिश्नोई को मिला मरणोपरांत 'यू.एन. मिशन मैडल'

संयुक्त राष्ट्र संघ ने मैडल प्रदान कर बाड़मेर के शौर्य और पराक्रम को गौरवान्वित किया

- सांवलाराम ने कांगो के मोरक्को में हुए प्रदर्शनकारियों के हमले में बलिदान दे दिया था
- सांवलाराम को मरणोपरांत अशोक चक्र देने की मांग की

बाड़मेर, (निसं)। सात समंदर पार कांगो में यूएनमिशन पर तैनात बीएसएफ के वीर जाबांज बांड निवासी वीर सपूत सांवलाराम बिश्नोई ने कांगो के मोरक्को में हुए प्रदर्शनकारियों के हमले में अंतिम सांस तक लड़ते हुए 26 जुलाई 2022 को अदम्य साहस और पराक्रम का परिचय देते हुए अपना सर्वोच्च बलिदान दे दिया था। उनकी वीरता की कद्र करते हुए संयुक्त राष्ट्र संघ ने उन्हें मरणोपरांत यूएनमिशन मैडल प्रदान कर बाड़मेर के शौर्य और पराक्रम को गौरवान्वित किया है। साता में चल रही कबड्डी और खो-खो लीग के उद्घाटन अवसर पर बीएसएफ की 83 वीं वाहिनी के कमांडेंट एम पी सिंह ने ये जानकारी प्रदान की कि बीएसएफ के वीर जाबांज सांवलाराम बिश्नोई को संयुक्त राष्ट्र संघ ने मरणोपरांत यूएन मिशन मैडल प्रदान किया है जो कि समूचे बाड़मेर वासियों के लिए गर्व की बात है।

ये मैडल कब्बड्डी और खो-खो की खेलकूद प्रतियोगिता के समापन समारोह में बाड़मेर सेक्टर हेडक्वार्टर के उपमहानिरीक्षक प्रीतपालसिंह भट्टी और 83 वीं वाहिनी के कमांडेंट एम पी सिंह के आतिथ्य में वीरांगना रूखमण देवी को प्रदान किया जाएगा। इस दौरान हजारों लोग इस ऐतिहासिक अवसर के साक्षी बनेंगे। थार के वीर संस्थान के संयोजक रघुवीरसिंह तामलोर ने बताया कि सात समंदर पार कांगो में वसुधैव कुटुम्बकम का परिचय देते हुए वीर गति को प्राप्त होने वाले वीर सपूत सांवलाराम बिश्नोई के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ से सीमा सुरक्षा बल और भारत सरकार के माध्यम से यू एन मैडल और भारत सरकार से अशोक चक्र प्रदान करने की मांग की थी। गणतंत्र दिवस से पहले टीम थार के वीर ने संयुक्त राष्ट्र संघ,भारत सरकार और बीएसएफ का आभार जताया है।

बीएसएफ के 83वीं वाहिनी के कमांडेट एमपी सिंह ने बताया कि बीएसएफ के वीर सपूत सांवलाराम बिश्नोई को उनकी वीरता के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा यूएन मिशन मैडल प्रदान करना गर्व की बात है। हम हमेशा वीर सपूत के परिवार के साथ है।

थार के वीर संयोजक रघुवीर सिंह तामलोर ने बताया कि यूएन मिशन मैडल के साथ-साथ हमने भारत सरकार से वीर सपूत सांवलाराम को मरणोपरांत अशोक चक्र भी देने की मांग की है। पूरा देश ही नहीं अपितु कांगो के लोग भी सांवलाराम के अदम्य साहस और पराक्रम को सदैव याद रखेंगे। अब भारत सरकार अशोक चक्र प्रदान करे तो इस क्षेत्र के लोगों का मनोबल बढ़ेगा।

प्रेमिका के कहने पर प्रेमी ने मासूम बच्ची का गला दबा हत्या की थी

श्रीगंगानगर, (कासं)। मां सुनीता के कहने पर सन्नी ने रात को सो रही 3 साल की मासूम किरण का गला दबा हत्या की थी। तीन साल की मासूम किरण की गला दबाकर हत्या करने वाली बच्ची की मां और उसका प्रेमी दूर के रिश्ते में संबंधी भी हैं।

आरोपी मां उत्तरप्रदेश के प्रतापगढ़ जिले के बरगदेई गांव निवासी सुनीता देवी पत्नी बिन्देश्वरी उर्फ दिनेश कुमार व रायबरेली जिले के सलवन गांव निवासी सन्नी उर्फ माल्टा पुत्र रामगोपाल पांडे की आपस में मुलाकात और नजदीकी श्रीगंगानगर जिले में ही हुई थी। जांच अधिकारी हिन्दुमलकोट थानाधिकारी संजीव चौहान ने बताया कि बिंदेश्वरी पत्नी सुनीता के साथ शादी के बाद श्रीगंगानगर आ गया था और दोनों ईंट भट्टे पर काम करने लग गए थे। दोनों 8 साल तक श्रीगंगानगर में साथ-साथ रहे थे। इस दौरान सुनीता ने पांच बच्चों को जन्म दिया।

इसी दौरान आरोपी सन्नी उर्फ माल्टा जो कि भट्टे पर काम करता था। सुनीता के बहुत अधिक नजदीक आया। वह सुनीता के भाई के ससुराल परिवार से है। सन्नी का परिवार करीब 40 वर्षों से श्रीगंगानगर में रहकर भट्टों पर काम करता आ रहा है। जब सुनीता को वह अपने पति से कहीं ज्यादा अच्छा लगने लग गया। तब उन दोनों ने साथ रहने का फैसला कर लिया। बिंदेश्वरी अपने तीन बच्चों को साथ लेकर वापस यूपी अपने गांव चला गया। पुलिस के पास रिमांड पर चल रही सुनीता और उसका प्रेमी सन्नी उर्फ माल्टा पांडे मानसिक रूप से बीमार लगते हैं। ये दोनों किसी बात पर झगड़ते हुए एक दूसरे से मारपीट करने लग जाते हैं। फिर कुछ देर बाद शांत होकर बैठ जाते हैं।

एसएचओ ने बताया कि जहां ये रहते थे, वहां के लोगों ने भी इनके ऐसे ही व्यवहार के बारे में बताया था। तीन साल की मासूम किरण की हत्या की कोई बड़ी वजह अभी तक सामने नहीं आई है। आशंका है कि सनक के कारण ही उसकी जान ले ली थी। एसएचओ चौहान ने अनुसार 31 दिसम्बर को पुरानी आबादी में एसबीआई बैंक के पीछे सन्नी और सुनीता ने इसी बच्ची किरण को छत से नीचे लटकाकर मारने की कोशिश की थी। तब मोहल्ले के लोगों ने शोर मचाकर आरोपी को ऐसा करने से रोका था।

आरोपियों ने बच्ची से मारपीट कर घायल कर दिया था। उस घटना के संबंध में बाल कल्याण समिति और चाइल्ड लाइन अधिकारियों के भी बयान दर्ज किए जायेंगे। पूछताछ में सन्नी ने बताया कि 16 जनवरी की रात को करीब डेढ़ बजे ही किरण का सुनीता के कहने पर उसने गला दबाकर हत्या कर दी थी। सुनीता ने ही आइडिया दिया कि बच्ची के शव को नहर में डाल देते हैं। किसी को पता नहीं चलेगा। सुनीता के शॉल में बॉडी को लपेटकर बांधा और फिर ट्रेन में सवार होने को स्टेशन पर जाकर बैठ गए। डेड बॉडी को फेंकते समय देरी हो गई और ट्रेन स्पीड में होने के कारण बच्ची का शव नहर में ना गिरकर बाहर जा गिरा।

ठेकाकर्मियों ने की हड़ताल

जोधपुर, (कासं)। शहर के मथुरादास माथुर अस्पताल में शनिवार की सुबह ठेके पर लगे डाटा ऑपरेटरों ने हड़ताल कर दी। वे तनख्वाह को लेकर विरोध जता रहे थे। बाद में समझाइश की गई और ठेका कर्मी काम पर लौटे। उनके हड़ताल पर अचानक जाने से एक बारगी व्यवस्था बिगड़ गई।

ठेकाकर्मियों के हड़ताल पर जाने की जानकारी पर अस्पताल के अधीक्षक डॉ विकास राजपुरोहित भी ओपीडी पहुंचे और ठेका कर्मियों से बात की। उनके आश्वासन के बाद पर्ची काउंटर पर काम कर रहे कर्मचारी वापस काम पर लौट गए। मरीजों को परेशानी नहीं हो इसके लिए लगभग 1 घंटे तक अस्पताल के होमगार्ड और सुरक्षाकर्मियों ने पर्ची काटी। अस्पताल अधीक्षक डॉ. राजपुरोहित के अनुसार अस्पताल में लगभग 60 कर्मचारी प्लेसमेंट कंपनी के तहत काम करते हैं। उनमें पर्ची काउंटर पर काम करने वाले कर्मचारी भी शामिल है। ठेका कंपनी से इन्हे हर माह 15 तारीख तक सैलरी मिलती है। इस बार इन्हें वेतन मिलने में देरी क्यों गई इसको लेकर ठेका कंपनी से जवाब मांगा गया है।

घास लेने गई महिला का पैर जाल में फंसा

संभागीय आयुक्त कार्यालय में घास लेने गई थी महिला

नगर निगम की टीम ने एक निजी वैल्डिंग कटर की टीम पहुंचने पर सरिया काट महिला का पैर निकाला।

- एक घंटे की मशक्कत के बाद कटर से सरिया काट कर पैर निकाला

भरतपुर, (निसं)। संभागीय आयुक्त कार्यालय में घास लेने गई गोपालगढ़ मोहल्ला निवासी महिला भूरी देवी की जरा सी लापरवाही उसके लिए तब भारी पड़ गई। जब महिला का पैर संभागीय आयुक्त कार्यालय में गायों को रोकने के लिए बनाए गए काउ कैचर में फंस गया। जिस पर महिला को करीब एक घंटे असहनीय पीडा झेलनी पडी। जिसके बाद नगर निगम की टीम एवं एक निजी वैल्डिंग कटर की टीम के पहुंचने पर कटर से काउ कैचर की सरिया काट कर महिला का पैर काउ कैचर से निकाला। गोपालगढ मौहल्ला निवासी कुछ महिलाएं संभागीय आयुक्त कार्यालय में घास लेने के लिए गई थी। जब महिलाएं वहां से बाहर निकल रही थी। तो उन्हें इस बात का बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था कि संभागीय आयुक्त कार्यालय के मुख्य द्वार पर लगा जाल गायों को रोकने के लिए लगाया गया। महिला ने इस ओर ध्यान नहीं दिया। तभी महिला का पैर काउ कैचर में फंस गया। जिससे महिला के घुटने में गंभीर चोट आई। घटना की जानकारी मिलने पर संभागीय आयुक्त सांवरमल वर्मा ने नगर निगम को आयुक्त को फोन कर समस्या के समाधान के निर्देश दिए। जिसके बाद कटर से लोहे की सरिया को काटा और महिला का पैर बाहर निकाला।

जेईई-मेन-2023: पहली बार परीक्षा के दिन से दो दिन पहले जारी हो रहे प्रवेश पत्र

- अभी सिर्फ 24 जनवरी की परीक्षा के प्रवेश पत्र जारी, 25 के लिए आज जारी होंगे
- देश में 290 और विदेशों के 18 शहरों में होंगे परीक्षा केन्द्र

कोटा, (निसं)। देश की सबसे बड़ी इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा जेईई-मेन की शुरुआत 24 जनवरी से होने जा रही है। पहले दिन 24 जनवरी को बीई-बीटेक के लिए परीक्षा से शुरुआत होगी। यह परीक्षा छह दिन 12 शिफ्टों तक चलेगी। इसके बीच 28 जनवरी को एक शिफ्ट में बीआर्क की परीक्षा होगी। बीई-बीटेक की परीक्षा प्रत्येक दिन सुबह 9 से 12 एवं दोपहर में 3 से 6 के बीच में होगी। इस वर्ष जनवरी परीक्षा के लिए कुल 9 लाख 12 हजार विद्यार्थियों ने आवेदन किया है। इस वर्ष पहले सेशन के लिए भारत में 290 परीक्षा शहर एवं विदेशों में 18 शहरों में परीक्षा केन्द्र बनाए गए हैं।

एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट के कॅरियर काउंसलिंग एक्सपर्ट अमित आहूजा ने बताया कि नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा शनिवार को एडमिट कार्ड रिलीज करने के साथ ही नोटिफिकेशन भी जारी किया गया। इसमें स्पष्ट किया गया है कि शनिवार को केवल 24 जनवरी को परीक्षा देने वाले विद्यार्थियों के ही प्रवेश पत्र जारी किए गए हैं। इस तिथि के बाद होने वाली परीक्षाओं में शामिल होने वाले विद्यार्थियों के एडमिट कार्ड परीक्षा दिन से दो दिन पूर्व जारी किए जाएंगे। इसी प्रकार 25 जनवरी की परीक्षा के लिए प्रवेश पत्र 22 जनवरी को जारी किए जाएंगे।

कोटा में बिट्स एण्ड बाइट्स, वाइबल एजुकेशन, डिजिटल डेस्क, शिवज्योति स्कूल में परीक्षा केन्द्र पर परीक्षा होगी। ऐसे विद्यार्थी जिनके फोटो व सिग्नेचर स्पष्ट नहीं हैं, उनके एडमिट कार्ड जारी नहीं किए गए हैं। ऐसे विद्यार्थियों को अपने कैंडिडेट लॉगइन पर जाकर अपलोड इमेजेज को चेक करना होगा। एनटीए द्वारा इन विद्यार्थियों को अपलोड इमेजेज में कमी पाए जाने पर उन्हें सही करने या दुबारा अपलोड करने का मौका दिया जाएगा। वहीं ऐसे विद्यार्थी जिनकी बोर्ड परीक्षा और जेईई-मेन परीक्षा एक ही दिन है या ऐसे विद्यार्थी जिनको चारों विकल्पों में से किसी भी विकल्प परीक्षा शहर आवंटित नहीं किया गया है। इन विद्यार्थियों द्वारा एनटीए को ई-मेल किया जा रहा है। इसके बाद भी एनटीए ने बीई-बीटेक परीक्षा 12 शिफ्टों में 24 जनवरी से 1 फरवरी के मध्य होगी। वहीं बीआर्क की परीक्षा 1 शिफ्ट में 28 जनवरी को होगी। विद्यार्थी जेईई-मेन वेबसाइट पर अपना एप्लीकेशन नम्बर एवं जन्म दिनांक द्वारा प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकते हैं।

कॅरियर काउंसलिंग एक्सपर्ट अमित आहूजा ने बताया कि विद्यार्थियों को एडमिट कार्ड पर दिए गए स्वयं के रिपोर्टिंग टाइम पर रिपोर्ट करना है और परीक्षा शुरू होने से आधा घंटे पहले प्रवेश बंद कर दिए जाएंगे। विद्यार्थियों को प्रवेश पत्र में दिए गए बार कोड रीडर के माध्यम से लैब आवंटित की जाएगी। साथ ही विद्यार्थियों को थ्री-लेयर मास्क भी दिया जाएगा, जिसे विद्यार्थी को परीक्षा देते समय उपयोग करना अनिवार्य होगा। प्रवेश पत्र में सेल्फ डिक्लेरेशन प्रारूप में विद्यार्थी को बांये हाथ का अंगूठा का निशान एवं स्वयं की फोटो लगाकर ले जाना होगा। विद्यार्थी को इस प्रारूप में स्वयं के हस्ताक्षर, परीक्षा केन्द्र में परीक्षक के सामने ही करने होंगे।

जमीन लीज पर देगी रोडवेज

बीकानेर, (कासं)। रोडवेज ने घाटे से उबरने के लिए अब खाली जमीन से इनकम जुटाने की योजना बनाई है। प्रदेश के 52 डिपो में खाली जमीन अब लीज पर देकर अतिरिक्त इनकम जुटाई जायेगी। बीकानेर डिपो में पेट्रोल पंप खोलने के आए प्रस्ताव को स्थानीय अधिकारियों ने मंजूरी के लिए हैड ऑफिस भिजवा दिया है। उम्मीद जताई जा रही है कि अप्रैल से पहले स्टैंड के दूसरे प्रवेश द्वार के नजदीक पेट्रोल पंप शुरू हो जायेगा। इतना ही नहीं बस स्टैंड की बिल्डिंग में बाहर की तरफ बनी नौ दुकानों की पहली मंजिल भी लीज पर देने का प्रस्ताव तैयार किया गया है। यह जमीन उसी शख्स के सुपुर्द की जायेगी, जो करीब 10-15 साल के लिए किराये पर लेगा। उक्त जगह पर दुकानें या फिर हॉल का निर्माण कर किराये पर दिया जायेगा।

कालासर के छात्रों को 30 किमी. चलने पर 3 टीचर मिले

बीकानेर, (कासं)। जिले के कालासर गांव के छात्रों को तीस किलोमीटर पैदल चलने के बाद तीन टीचर मिल गए हैं। स्कूल में छह पद खाली चल रहे हैं, जिन पर स्थायी रूप से टीचर लगाने का आश्वासन दिया गया है। इसके बाद छात्रों ने एक बार आंदोलन को स्थगित करते हुए बीकानेर के बजाय गांव की ओर रवाना हो गए हैं। सोमवार से एक बार फिर स्कूल खुल जायेगा।

इससे पहले ये छात्र पंद्रह किलोमीटर की यात्रा तय करके शाम को लाखूसर पहुंचे थे। यहां रातभर आराम करने के बाद सुबह बीकानेर के लिए रवाना हो गए। करीब पंद्रह किलोमीटर और चलने के बाद शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने इन्हें रोक लिया। छात्रों और उनके साथ चल रहे सरपंच व अन्य जनप्रतिनिधियों के साथ चर्चा की गई। शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने एपीओ निरस्त करने के साथ ही दो सब्जेक्ट टीचर के डेपुटेशन का आदेश दिया। साथ ही जिन टीचर्स की कालासर के उच्च माध्यमिक स्कूल से वेतन उठ रहा है, उनका आदेश भी निरस्त कर दिया। अब यहां पद स्पष्ट रूप से रिक्त ही नजर आयेगा। टीचर्स की आधी डिमांड पूरी होने के बाद छात्र वापस गांव जाने के लिए तैयार हो गए। वार्ता के दौरान खाजूवाला के पूर्व विधायक डॉ. विश्वनाथ, सरपंच एसोसिएशन के अध्यक्ष तोलाराम कूंकणा, कालासर सरपंच पूनम देवी गोदारा, सरपंच पति रामलक्ष्मण गोदारा आदि भी उपस्थित थे। डॉ. मेघवाल ने इस मामले में जिला कलेक्टर से वार्ता भी की।

कोटा रेल प्रशासन स्वच्छता को लेकर प्रयासरत

- रेलवे स्टेशन एवं परिसर में गंदगी करने पर कार्रवाई

कोटा, (निसं)। कोटा मण्डल के सभी स्टेशनों पर यात्रियों को स्टेशन परिसर एवं गाड़ियों में स्वच्छ, सुखद एवं पर्यावरण अनुकूल वातावरण मुहैया कराने के प्रति लगातार प्रयासरत है।

मंडल रेल प्रबंधक मनीष तिवारी के मार्गदर्शन में मण्डल के रेलवे स्टेशनों एवं रेलगाड़ियों में नियमित साफ सफाई सुनिश्चित की जाती है, साथ ही नियमित उद्घोषणा के माध्यम से यात्रियों को भी जागरुक किया जाता है। इसके अंतर्गत यात्रियों से स्टेशन परिसर को साफ सुथरा रखने, धूम्रपान नहीं करने तथा यहां वहां गंदगी नहीं करने का अनुरोध किया जाता है। बार-बार समझाईश के बावजूद कुछ लोग लापरवाही बरतते हैं।

ऐसे लोगों के खिलाफ रेल प्रशासन द्वारा समय-समय पर रेलवे अधिनियम के अंतर्गत जुर्माने की कार्यवाही की जाती है। रेल सुरक्षा बल पश्चिम मध्य रेल द्वारा विगत वर्ष के दौरान तीनो मंडलों में रेल स्टेशन, रेल परिसर एवं गाड़ियों में गुटखा, पान मसाला, सिगरेट व बीड़ी बेचने वाले तथा गुटका पान मसाला खाकर गंदगी करने वाले एवं धूम्रपान करने वाले व्यक्तियों के विरूद्ध कार्रवाई की गई। रेलवे स्टेशन, रेल परिसर एवं यात्री गाड़ियों में गुटखा, पान मसाला, सिगरेट बेचने वाले कुल 1937 व्यक्तियों को पकड़कर रेल अधिनियम की धारा 144 के तहत कार्रवाई कर उन्हें रेलवे न्यायालय में पेश किया गया, जहां उनसे न्यायालय द्वारा उन पर रूपये 21,43,465 रुपये का जुर्माना लगाया गया।

रेलवे स्टेशन, रेल परिसर एवं यात्री गाड़ियों में पान/गुटखा खाकर गंदगी करते पाये गये कुल 218 व्यक्तियों के विरूद्ध रेल अधिनियम की धारा 145 के तहत कार्रवाई कर उन्हें रेलवे न्यायालय में पेश किया गया जहा न्यायालय द्वारा उन पर 24,975 रुपये रूपए का जुर्माना लगाया गया। रेल स्टेशन, रेल परिसर एवं यात्री गाड़ियों में पान/गुटखा खाकर गंदगी करने वाले कुल 5840 व्यक्तियों के विरूद्ध कार्रवाई करते हुए 11,43,404 रूपए का जुर्माना रेल सुरक्षा बल द्वारा वसूल किया गया।

मंत्री से मिलने आई महिला को रोका

मसूदा/अजमेर, (निसं)। मुडिया नाडा को भूमाफियों के कब्जे से मुक्त करवाने की लडाई लड रही मसूदा विधानसभा क्षेत्र में रहने वाली एक बुर्जुग महिला जब 19 जनवरी को प्रभारी मंत्री महेन्द्रजीत सिंह मालवीय एक समारोह में मसूदा पहुंचे, जहां उक्त बुर्जुग महिला भी मंत्री से मिलकर उक्त नाडा को बचाने के लिये से गुहार लगाने के लिये समारोह में शामिल हुई, लेकिन जब स्थानीय प्रशासन व तहसीलदार की नजर उक्त बुर्जुग महिला पर पडी पर उन्होंने उक्त बुर्जुग महिला को मंत्री के आसपास भी नहीं भटकने दिया, जबकि महिला मंत्री मालवीय से मिलकर मुडिया नाडा को भूमाफियों के कब्जे से बचाने के लिये गिडगिडाती रही, लेकिन उसकी एक नही सुनी और तलसीलदार ने उसे एक तरफ बैठा दिया। जानकारी के अनुसार पूर्व में उक्त बुजुर्ग महिला ने स्थानीय प्रशासन से लेकर जिलाधीश तक उक्त नाडा को बचाने के लिये गुहार लगा चुकी लेकिन उसकी एक नहीं सुनी। ग्रामवासियों ने बताया कि ग्राम मसूदा द्वितीय की भूमि खसरा संख्या 3433 व 3408 वर्षो से मुडिया नाड़ा (तालाब) के नाम से भूमि रही हैं, यानी उक्त भूमि डूबक्षेत्र में आती हैं, उक्त भूमि में सदैव 50 फीट गहरा पानी भरा रहता है।

अजमेर में ख्वाजा की मजार से उतारा संदल

जायरीन में मची संदल पाने की होड़, कलंदरों का जुलूस आज

विभिन्न राज्यों से छड़ियां लेकर अजमेर दरगाह पहुंचे मलंग।

- पांच हजार जवान संभालेंगे मोर्चा, चप्पे चप्पे पर रहेगी पुलिस की नजर

अजमेर, (कासं)। विश्व विख्यात सूफी संत ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती के 811वें सालाना उर्स की धार्मिक रस्में अनौपचारिक झंडा चढने के साथ शुरू हो गई है। शनिवार को दरगाह में ख्वाजा साहब की पवित्र मजार से खादिमों ने संदल उतारने की रस्म अदा की। दरगाह में मौजूद जायरीन को संदल तकसीम किया गया। संदल लेने के लिए जायरीन में जोड़ मच गई।

सालाना उर्स के मद्देनजर छह दिनों के जन्नती दरवाजा आम जायरीन के लिए खोल दिया जाएगा। देश के विभिन्न राज्यों से हज़ारों की संख्या में मलंग पैदल चलकर अजमेर पहुंचे। गंज से दरगाह तक छडियां का जुलूस निकाल कर मलंगों द्वारा ख्वाजा साहब की दरगाह पर छडियां पेश करेंगे। उर्स में सुरक्षा के लिए 5 हजार पुलिसकर्मी मोर्चा संभालेंगे, जिसके तहत तीन वॉच टावर से भीड़ पर रखी जाएगी रखी जाएगी। शनिवार को पुलिस लाइन में अजमेर एसपी चूनाराम जाट ने अधिकारियों व जवानों को दिशा निर्देश दिए।

दरगाह के खादिम सैयद फजले हसन चिश्ती ने बताया कि सूफी संत ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती के 811वें उर्स के आगाज से पूर्व शनिवार को दरगाह में ख्वाजा गरीब नवाज की मजार से संदल उतारा गया, जिसको आम जायरीन में तकसीम किया गया। संदल लेने के लिए जायरीनों में होड़ सी मची रही। चिश्ती ने बताया कि ख्वाजा साहब की मजार पर होने वाली खिदमत के दौरान वर्षभर संदल पेश किया जाता है, उर्स के दौरान चांद दिखाई देने से पूर्व वर्षभर प्रस्तुत किए गए संदल को उतारा जाता है। दरगाह में आने वाले अकीदतमंदो को यह संदल तबर्रुक के रूप में दिया जाता है। दरगाह के खादिम सय्यद कुतुबुद्दीन सकी ने बताया कि ख्वाजा गरीब नवाज को खुशबू पसंद थी। इसलिए उनकी मजार पर संदल, गुलाबजल और केवड़ा का मिश्रण लगाया जाता है। वर्ष में एक बार मजार से संदल उतारा जाता है। रात्रि में खिदमत के बाद खादिमों ने ख्वाजा साहब की मजार पर पेश किए संदल को उतारा गया और उसे आस्ताना शरीफ में ही थैलियों में पेश किया गया।

सूफी संत हजरत ख्वाजा मोईनुद्दीन हसन चिश्ती के 811वें उर्स में आने वाले कलंदरों का सिलसिला शुरू हो गया। कलंदरों का जुलूस रविवार शाम को गंज स्थित उस्मानी चिल्ले से दरगाह तक निकाला जाएगा। दिल्ली स्थित महरौली शरीफ से गरीब नवाज की दरगाह तक पैदल आने वाले कलंदर शनिवार शाम तक गेगल पहुंच गए। गेगल में इन कलंदरों का इस्तकबाल किया गया। उस्मानी मोइनी गुदड़ी शाही खानकाह के मैनेजर ने बताया कि कलंदर गंज स्थित उस्मानी चिल्ले पर रात तक पहुंचना शुरू हो गए, यहां गुदड़ी शाही खानकाह द्वारा इनके ठहरने, भोजन व व चिकित्सा की व्यवस्था की गई।

खानकाह के मैनेजर ने बताया कि रविवार को शाम 4 बजे कलंदर का जुलूस गाजेबाजे व सूफियाना कलाम के साथ हैरतअंगेज करबत दिखाते हुए निकलेगा। छड़ियों के जुलूस का जगह जगह स्वागत किया जाएगा। कलंदर अपने साथ लाई छडियां दरगाह में पेश करेंगे।

ख्वाजा गरीब नवाज के 811वें उर्स को लेकर जिला पुलिस अलर्ट मोड पर है। उर्स में इस बार 5 हजार के करीब पुलिसकर्मी सुरक्षा व्यवस्था संभालेंगे। 3 वॉच टावर के जरिए भीड़ पर नजर रखी जाएगी। शनिवार को पुलिस लाइन में अजमेर एसपी चूनाराम जाट ने अधिकारियों व पुलिस कर्मियों को दिशा निर्देश दिए हैं। एसपी जाट ने बताया कि ख्वाजा गरीब नवाज के 811वें उर्स को लेकर पुलिस लाइन ग्राउंड में अधिकारियों व जवानों से चर्चा कर कई दिशा निर्देश दिए गए हैं। अंजुमन सचिव सैयद सरवर चिश्ती ने बताया कि उर्स की औपचारिक शुरूआत चांद दिखाई देने के साथ 22 जनवरी रविवार से हो जाएगी।